तापमान

अधिकतम 31 डिग्री

न्यूनतम 19 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

10 पटाखों पर भी महंगाई की मार, 10 से 15 फीसदी...



10 छात्र प्रतिभा, शैक्षणिक सेवा व प्रतिभावान विद्यार्थियों...



जिला अस्पताल में 94 गर्भवती महिलाओं की जांच, जोखिम के लक्षणों की पहचान पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं, मातृ मृत्यु दर कम करने समय पर जांच और उपचार पर फोकस

गर्भवती महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की समय पर पहचान और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को जिला चिकित्सालय बेमेतरा सहित जिले की शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) का आयोजन किया गया।

जिला चिकित्सालय में इस दौरान 94 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के लक्षणों की पहचान, आवश्यक जांच और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के दौरान जिला चिकित्सालय में स्त्री रोग विशेषज्ञ, सोनोलॉजिस्ट, शिशु रोग विशेषज्ञ और परामर्शदाताओं ने सेवाएं दीं। गर्भवती महिलाओं के लिए रक्त जांच, सोनोग्राफी सहित अन्य आवश्यक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। अभियान का उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं की पहचान कर जरूरत के अनुसार उपचार और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान पर जोर

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इसके तहत प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को गर्भवती महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच की जाती है। अभियान में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान कर संबंधित महिलाओं को आवश्यक उपचार, निगरानी और जरूरत पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था पर जोर दिया जाता है। समय पर जांच और समुचित प्रबंधन से गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं को कम करने में मदद मिलती है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान, सोनोग्राफी सहित जरूरी जांच की उपलब्धता, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और विशेषज्ञ चिकित्सकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया गया। इसके साथ ही महिलाओं को पोषण, संस्थागत प्रसव और गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने वाले खतरे के लक्षणों के संबंध में परामर्श देने पर भी जोर रहा।



स्वास्थ्य जांच कराने की अपील

स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे प्रत्येक माह 9 और 24 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत अपने नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर जांच कराएं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने समय पर जांच कराने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने को सुरक्षित मातृत्व की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

खबर संक्षेप

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक 26 को

बेमेतरा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। कार्यक्रम के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक 26 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। जिला कार्यालय के भू-तल स्थित दृष्टि सभाकक्ष में सुबह 10:30 बजे होने वाली इस बैठक में पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की जाएगी।

नांदेड़ गुरुद्वारा साहिब में हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा सम्मानित



बेमेतरा। बेमेतरा के समाजसेवी हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा साहिब में शिरोमणि पंथ रत्न सिंघ साहिब जत्थेदार बाबा बलबीर सिंघ जी अकाली ने सिरोपाव भेंट कर सम्मानित किया और आशीर्वाद प्रदान किया। हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा लंबे समय से समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय हैं। वे जरूरतमंद परिवारों को राशन सहायता, गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा तथा बेसहारा लोगों के इलाज में सहयोग करते हैं। साथ ही गुरु साहिबानों के इतिहास का प्रचार कर लोगों को मानवता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने इस सम्मान के लिए बाबा जी के प्रति आभार जताते हुए भविष्य में भी निष्ठा के साथ समाज सेवा जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

बायोमेट्रिक सत्यापन और एग्रीस्टैक से जुड़ेगा किसानों का रकबा, 70:30 के अनुपात में जारी होंगे टोकन

टोकन के मुताबिक धान नहीं लाया तो लैप्स होगा रकबा, दोबारा नहीं मिलेगा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में इस बार किसानों को टोकन की तारीख और निर्धारित मात्रा का विशेष ध्यान रखना होगा। टोकन में दर्ज मात्रा के अनुसार धान नहीं लाने पर शेष मात्रा के अनुपात में रकबा लैप्स होने का प्रावधान किया गया है। ऐसे में किसान को संबंधित रकबे के लिए दोबारा टोकन जारी नहीं किया जाएगा। वहीं, निर्धारित तिथि पर धान लेकर नहीं पहुंचने पर टोकन अगले दिन डिलीट हो जाएगा। इसे दोबारा जारी कराने का अवसर केवल एक बार मिलेगा। दूसरी बार टोकन डिलीट होने पर संबंधित मात्रा का रकबा लैप्स हो जाएगा। खरीदी प्रक्रिया में सख्ती के साथ डिजिटल सत्यापन और रकबे के रिकॉर्ड को भी महत्व दिया जा रहा है। धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए इस बार टोकन जारी करने से लेकर किसान की पहचान और खरीदी की प्रविष्टियों तक डिजिटल प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए किसान की पहचान सुनिश्चित होगी, वहीं एग्रीस्टैक से किसानों के रकबे को जोड़ने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसका उद्देश्य खरीदी प्रक्रिया में अनियमितताओं पर रोक लगाना और वास्तविक पात्र किसानों के रकबे के अनुरूप धान खरीदी सुनिश्चित करना है।

बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद होगी खरीदी

धान खरीदी केंद्रों पर किसान की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अंगूठे के निशान या आईरिस स्कैन के माध्यम से बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। पहचान की पुष्टि के बाद ही खरीदी की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। खरीदी से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से रियल टाइम डेटाबेस में दर्ज की जाएगी। इससे रिकॉर्ड में बाद में बदलाव करने और पिछली तारीख से प्रविष्टियां दर्ज करने जैसी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।



70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप से

टोकन जारी करने के लिए भी अनुपात निर्धारित किया गया है। कुल टोकन में से 70 प्रतिशत मोबाइल ऐप के माध्यम से और 30 प्रतिशत टोकन सहकारी समितियों के जरिए जारी किए जाएंगे। निर्धारित तिथि पर धान नहीं पहुंचाने की स्थिति में टोकन डिलीट होने और दोबारा टोकन लेने के सीमित अवसर को देखते हुए किसानों को समय पर खरीदी केंद्र पहुंचने की जरूरत होगी।

समर्थन मूल्य भी निर्धारित

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कॉमन ग्रेड धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और ए-ग्रेड धान का समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित बताया गया है। किसानों के लिए जरूरी है कि वे टोकन में दर्ज मात्रा, खरीदी की तारीख और अपने रकबे से संबंधित जानकारी पहले ही जांच लें, ताकि धान बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

रकबे के अनुसार तय होंगे टोकन

नई व्यवस्था के तहत दो एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, दस एकड़ तक के किसानों को अधिकतम दो टोकन और इससे अधिक रकबे वाले किसानों को तीन टोकन दिए जाने का प्रावधान बताया गया है। दो टोकन की स्थिति में धान की मात्रा का विभाजन 50-50 प्रतिशत और तीन टोकन की स्थिति में 33-33-34 प्रतिशत के अनुपात में किया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत किसानों को निर्धारित टोकन के अनुसार ही धान उपार्जन केंद्र तक पहुंचाना होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी किसान के चार एकड़ रकबे के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से कुल 84 क्विंटल धान बेचने का टोकन जारी हुआ है, लेकिन वह खरीदी के दिन केवल 63 क्विंटल धान लेकर पहुंचता है, तो शेष 21 क्विंटल के बराबर एक एकड़ का रकबा लैप्स हो सकता है। इस शेष मात्रा के लिए दोबारा टोकन जारी नहीं होने से किसान को निर्धारित पात्रता के बावजूद धान बेचने का अवसर नहीं मिल पाएगा।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर युवा संसद में विचार रखेंगे युवा

बेमेतरा। विकसित भारत युवा संसद 2027 के तहत 31 अक्टूबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू शासकीय पीजी महाविद्यालय बेमेतरा में जिला स्तरीय युवा संसद चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। मेरा युवा भारत, बेमेतरा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, पीजी कॉलेज बेमेतरा के संयुक्त आयोजन में युवा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ, तार्किक चिंतन, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इसके माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपनी राय रखने और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा।

- 31 अक्टूबर को पीजी कॉलेज बेमेतरा में जिला स्तरीय चैंपियनशिप, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुने जाएंगे तीन प्रतिभागी

18 से 25 वर्ष के युवा ले सकेंगे हिस्सा: प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष की आयु के पात्र युवा भाग ले सकेंगे। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की निर्धारित कट-ऑफ तिथि के आधार पर की जाएगी। प्रत्येक प्रतिभागी को भाषण प्रस्तुत करने के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। युवा हिंदी, अंग्रेजी सहित निर्धारित दिशा-निर्देशों में अनुमत भाषाओं में अपने विचार रख सकेंगे। प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय की प्रासंगिकता, भाषण की स्पष्टता, संवाद शैली, रचनात्मकता, भाषा के प्रवाह और ⏭शेष पेज 10 पर

उचित मूल्य दुकान में 22.90 लाख के खाद्यान्न गबन का आरोप, तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत टेमरी की शासकीय उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न की कमी और राशि जमा नहीं करने के मामले में नांदघाट पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दुकान का विक्रेता मनीष साहू, तत्कालीन स्व सहायता समूह की अध्यक्ष पुष्पा साहू और सचिव नीरा बाई शामिल हैं। खाद्य निरीक्षक की शिकायत के अनुसार,

- टेमरी राशन दुकान में चावल-नमक की कमी और बारदाना जमा नहीं करने का मामला, खाद्य निरीक्षक की शिकायत पर कार्रवाई



दुकान में भौतिक सत्यापन के दौरान 527.83 क्विंटल चावल और 21.88 क्विंटल नमक की कमी पाई गई। खाद्यान्न की कमी सहित अन्य अनियमितताओं से शासन को कुल 22 लाख 90 हजार 910.99 रुपये की क्षति होने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, खाद्य निरीक्षक पार्थियाप्राची केशरवानी ने इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि फरवरी और मार्च 2026 में खाद्यान्न वितरण के लिए नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा अग्रिम भंडारित खाद्यान्न की राशि क्रमशः 44,198.17 रुपये और 21,184.53 रुपये निगम के खाते में जमा नहीं की गई। इसके अलावा, फरवरी से जुलाई 2026 तक का बारदाना भी शासन के निर्देशानुसार गोदाम में जमा नहीं किया गया था।

शिकायत के आधार पर थाना नांदघाट में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(4), 3(5) तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 और 7 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों ⏭शेष पेज 10 पर

स्थायी वारंट पर संतोष साहू को पकड़ा, न्यायालय में किया पेश

बेमेतरा। सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने न्यायालय से जारी स्थायी वारंट की तामील करते हुए संतोष साहू (40) को पकड़ा है। आरोपी संतोष साहू, पिता हनुमंत साहू, निवासी बेमेतरा के विरुद्ध प्रकरण क्रमांक 893/2018 में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने स्थायी वारंट की तामील कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, आरक्षक कुसुम लाल कोशले, राहुल यादव, सौरभ सिंह सहित थाना बेमेतरा के पुलिस स्टाफ का योगदान रहा।



दीपावली में खपाने ले जा रहे थे 750 पौवा शराब, कार समेत 5.76 लाख का माल जब्त



हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

दीपावली के दौरान अवैध शराब खपाने की तैयारी में जुटे तस्करों पर कंडरका पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 750 पौवा देशी मसाला और अंग्रेजी शराब जब्त की है। शराब को सफेद कार में भरकर ग्राम बोरसी स्थित पारधी डेरा में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने कंडरका-बोरसी मार्ग पर वाहन जांच के दौरान कार को रोककर तलाशी ली, तो उसमें बड़ी मात्रा में शराब मिली। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि कार के आगे स्कूटी से रास्ते की निगरानी करते चल रहे दो अन्य साथी पुलिस को देखकर फरार हो गए। पुलिस ने शराब और परिवहन में इस्तेमाल कार सहित कुल 5 लाख 76 हजार रुपये की सामग्री जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर को कंडरका चौकी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रायपुर के उरला क्षेत्र की ओर से सफेद रंग की कार क्रमांक सीजी 04 क्यूजेड 0384 में अवैध शराब भरकर बोरसी ले जाई जा रही है। सूचना में शराब को वहां बिक्री के लिए पहुंचाने की बात सामने आई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने कंडरका-बोरसी मार्ग पर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान ⏭शेष पेज 10 पर

- कंडरका पुलिस की वाहन जांच में पकड़े गए दो आरोपी, स्कूटी से आगे चल रहे दो साथी फरार; रायपुर से कई दिनों में जुटाई थी शराब

कई दिनों में जुटाई शराब बिक्री की थी तैयारी

जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने दीपावली के दौरान अवैध रूप से शराब बेचने के उद्देश्य से रायपुर क्षेत्र की विभिन्न शराब दुकानों से कई दिनों में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में शराब एकत्र करने की जानकारी दी। पर्याप्त मात्रा में शराब जुटाने के बाद उसे बिक्री के लिए ग्राम बोरसी ले जाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, शराब परिवहन के दौरान कार के आगे स्कूटी पर सवार दो अन्य साथी चल रहे थे। उनका उद्देश्य रास्ते की निगरानी करना था। पुलिस की वाहन जांच देखकर दोनों स्कूटी सवार मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी पहचान और तलाश में जुटी है।

नए बस स्टैंड में चला चेकिंग अभियान, पांच बड़ी गाड़ियों पर 25 हजार और 11 छोटी गाड़ियों पर 5,500 रुपये का समन शुल्क

बस स्टैंड में दुर्ग-बेमेतरा आरटीओ की संयुक्त जांच, 16 वाहनों से वसूले 30,500 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

यात्री बसों और व्यावसायिक वाहनों के संचालन में परिवहन नियमों के पालन की जांच के लिए दुर्ग और बेमेतरा के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की संयुक्त टीम ने शहर के नए बस स्टैंड में सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान करीब 20 से 25 बसों की जांच किए जाने की जानकारी जिला परिवहन अधिकारी ने दी है। वहीं, कार्रवाई के आंकड़ों के अनुसार पांच बड़ी और 11 छोटी गाड़ियों समेत कुल 16 वाहनों से 30,500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। जांच के दौरान वाहनों के जरूरी दस्तावेजों और परिवहन नियमों के अनुपालन की पड़ताल की गई। लंबे समय बाद बस स्टैंड परिसर में इस तरह की संयुक्त कार्रवाई होने से व्यावसायिक वाहन संचालकों का ध्यान जांच की ओर गया। परिवहन विभाग की टीम ने बस स्टैंड परिसर में खड़े और वहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा और टैक्स से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की गई। नियमों में त्रुटियां पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों और संचालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। हालांकि, विभाग की



फाइल फोटो

ओर से प्रत्येक वाहन में मिली अनियमितताओं का अलग-अलग ब्योरा सामने नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि किन वाहनों में किस तरह की कमी पाई गई।

पांच बड़ी गाड़ियों से 25 हजार रुपये वसूले

संयुक्त जांच अभियान के दौरान पांच बड़ी गाड़ियों पर पांच-पांच हजार रुपये के हिसाब से कुल 25 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला गया। वहीं, 11 छोटी गाड़ियों पर 500-500 रुपये की दर से 5,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस तरह कुल 16 वाहनों से 30,500 रुपये की राशि वसूली गई। कार्रवाई में बड़ी गाड़ियों पर अपेक्षाकृत अधिक जुर्माना लगाया गया, लेकिन किस नियम के उल्लंघन पर कितनी राशि निर्धारित की गई, इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

यात्री सुरक्षा के मानकों पर भी जोर

यात्री बसों के संचालन में केवल वैध दस्तावेज ही नहीं, बल्कि सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन भी महत्वपूर्ण है। बसों में आपातकालीन द्वार, अग्निशामक यंत्र और प्राथमिक उपचार पेटी जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है। इसके अलावा परमिट की वैधता, वाहन की फिटनेस, बीमा और कर संबंधी नियमों का पालन भी परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा है। संयुक्त जांच का उद्देश्य व्यावसायिक वाहनों को निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित कराना और नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई करना बताया गया है। हालांकि, इस अभियान में कितनी बसों में सुरक्षा उपकरणों की कमी मिली या किसी बस में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर खामी पाई गई, इसका अलग से विवरण सामने नहीं आया है।

नियमित जांच से ही सुनिश्चित होगी सुरक्षा

बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर चलने वाले यात्री वाहनों की नियमित जांच से नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए जरूरी है कि जांच के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर कराने के साथ ही परिवहन नियमों का लगातार पालन भी सुनिश्चित किया जाए। खासकर यात्री बसों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा उपकरणों की जांच यात्रियों की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है। संयुक्त अभियान के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभाग की ओर से आगे भी ऐसी जांच जारी रहती है या कार्रवाई केवल अभियान तक सीमित रहती है। किशन लाल माहोर, जिला परिवहन अधिकारी, बेमेतरा ने बताया उच्च कार्यालय के निर्देश पर आरटीओ उड़नदस्ता दल दुर्ग के साथ बेमेतरा बस स्टैंड पर बसों की चेकिंग की गई है। करीब 20 से 25 बसों की जांच की गई। जांच में त्रुटियां मिलने पर जुर्माने की कार्रवाई भी की गई है।

घपला: एमपी के प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना फर्जीवाड़े की आंच कबीरधाम तक

जिंदा लोगों को कागजों में मृत दिखाकर निकाल ली गई बीमा क्लेम की राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

भ्रष्टाचारी और ठग कितने बेखौफ है कि वे सीधे देश के प्रधानमंत्री के पद नाम से जुड़ी योजनाओं में भी सेंधमारी करने में कोई गुरेज नहीं कर रहे हैं।

इसकी एक बानगी भाजपा शासित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में देखने को मिली जहां प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत भाजपा शासित छत्तीसगढ़ राज्य के कबीरधाम जिले निवासी तीन ग्रामीणों को दस्तावेजों में मृत दर्शाकर उनके नाम पर दो-दो लाख रुपए का बीमा क्लेम निकाल लिया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से दो ग्रामीण अपने घरों में जीवित मिले, जबकि तीसरे के परिजनों ने उसके रायपुर में मजदूरी करने की जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश में 482 कथित फर्जी बीमा क्लेम की जांच चल रही है।

इन मामलों में करीब 9 करोड़ 60 लाख रुपए की राशि का उल्लेख है। इसी जांच के दौरान कबीरधाम जिले के तीन ग्रामीणों के नाम सामने आए हैं। पुलिस दस्तावेजों के मुताबिक, भोपाल के थाना अजाक में अपराध क्रमांक 01/26 के तहत कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, उनका इस्तेमाल करने और बीमा दावों में कथित धोखाधड़ी से संबंधित मामला दर्ज है। हालांकि, फर्जीवाड़े में किसकी भूमिका रही और राशि किसने हासिल की, इसका खुलासा जांच के बाद ही होगा।

फिलहाल जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसमें मध्यप्रदेश की सीमा से लगे कबीरधाम जिले के विकासखण्ड पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत भेलकी के आश्रित ग्राम बदनाचुआ में दस्तावेजों में बाबूलाल और गंगाराम मरावी मृत बताए गए हैं जबकि वे अपने परिवार के साथ गांव में जीवित मिले हैं। वहीं तीसरा ग्रामीण रामकुमार जिसे मृत बताया गया है परिजनों के मुताबिक वह रोजी-रोटी कमाने रायपुर गया है। गंगाराम ने बताया कि उन्हें पूछताछ के लिए कुकदूर थाना बुलाया गया था, जहां कथित बीमा फर्जीवाड़े की जानकारी मिली। उनके मुताबिक, उन्हें न तो अपने नाम पर बीमा होने की जानकारी थी और न ही किसी क्लेम के बारे में पता था।

उन्होंने बताया कि वह कभी छत्तीसगढ़ से बाहर नहीं गए हैं और उनके पास आधार कार्ड व राशन कार्ड जैसे पहचान संबंधी दस्तावेज हैं।





बैंक खातों और केवाईसी दस्तावेजों की पड़ताल

पुलिस दस्तावेजों के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक की इंदौर स्थित पिपल्याहाना शाखा से 59 खातों के ओपनिंग फॉर्म, केवाईसी और बैंक स्टेटमेंट से संबंधित जानकारी जुटाई गई है। पंजाब नेशनल बैंक की बेंगलुरु स्थित रामाननरम शाखा से भी संबंधित दस्तावेज प्राप्त किए गए हैं। तीन संदिग्धों के खातों से जुड़े दस्तावेजों के साथ छत्तीसगढ़ के तीन पॉलिसीधारकों और खाताधारकों की जानकारी मिलने का उल्लेख है। अब जांच में यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि खाते किन दस्तावेजों के आधार पर खोले गए, उनका संचालन कौन कर रहा था और बीमा की रकम आखिर किसके खाते में पहुंची।

मृत्यु प्रमाण पत्र किसने बनवाए, क्लेम का सत्यापन कैसे हुआ?

इस मामले ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया, बैंक केवाईसी और बीमा क्लेम के सत्यापन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि ग्रामीण जीवित हैं, तो उनके नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र किसने बनवाए और बीमा कंपनी ने दावे मंजूर करने से पहले दस्तावेजों की जांच कैसे की? इन सवालों के जवाब जांच में सामने आना जरूरी है। फिलहाल किसी व्यापक नेटवर्क या अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है। कुकदूर थाना प्रभारी संजय मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस के डीएसपी से फोन पर जानकारी मिली थी। उनसे तीनों व्यक्तियों का सत्यापन करने को कहा गया था। उन्होंने तस्दीक कर उनके जीवित होने की सूचना दे दी है। फिलहाल उन्हें मामले में इससे अधिक जानकारी नहीं है।

बस-ऑटो का किराया बढ़ने से विद्यार्थियों की बढ़ीं मुश्किलें

- विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क बस सेवा शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा



बस और ऑटो के किराए में बढ़ोतरी से स्कूली बच्चों और कॉलेज के विद्यार्थियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। बढ़ती महंगाई के बीच आवागमन का खर्च विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन रहा है।

इस मुद्दे को लेकर एनएसयुआई छात्र नेता दुर्गेश जायसवाल ने विरोध जताते हुए राज्य सरकार से विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क बस सेवा शुरू करने की मांग की है। दुर्गेश जायसवाल ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है, लेकिन परिवहन का खर्च बढ़ने से स्कूल और कॉलेज तक पहुंचना भी चुनौती बनता जा रहा है।

विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से पढ़ाई करने आने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन बस और ऑटो से आवागमन करना पड़ता है। ऐसे में किराए में बढ़ोतरी का सीधा असर उनके परिवारों के बजट पर पड़ रहा है। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के समय युवाओं से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन विद्यार्थियों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल नजर नहीं आती। सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए परिवहन संबंधी समस्याओं का निराकरण करना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए मांगी राहत

एनएसयुआई छात्र नेता ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, सुलभ और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। दुर्गेश जायसवाल ने स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क बस सेवा शुरू करने, बढ़ते किराए से राहत दिलाने, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए विशेष परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने तथा रियायती किराए और छात्र पास की व्यवस्था प्रभावी बनाने की मांग की है। साथ ही शिक्षा विभाग से विद्यार्थियों की परिवहन संबंधी समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एनएसयुआई छात्र-छात्राओं के अधिकारों और उनकी समस्याओं को लेकर आवाज उठाती रहेगी। सरकार को समझना चाहिए कि शिक्षा पर किया गया खर्च देश के भविष्य में निवेश है और विद्यार्थियों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है।

खबर संक्षेप

युवा जनता कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने राकेश

कवर्धा। कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के युवा संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रवि उपाध्याय ने नई नियुक्ति सूची जारी की है। इसके तहत बरबसपुर निवासी और फ्यूचर फाउंडेशन स्कूल से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता राकेश भट्ट को कबीरधाम जिले का नया युवा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राकेश भट्ट ने कहा कि युवा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाकर जमीनी मुद्दों पर संघर्ष तेज किया जाएगा। इस नियुक्ति पर जैसीसीजे जिलाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पंचायत उपचुनाव के लिए निर्वाचक नामावली तैयार

कवर्धा। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के लिए कबीरधाम जिले में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तुलिका प्रजापति ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह नियुक्तियां की हैं। निर्वाचक नामावली 1 अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि के आधार पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तैयार होगी।

अंचल का बदल रहा मौसम, ठंड की दस्तक

कवर्धा। अंचल का मौसम एक बार फिर बदला-बदला सान नजर आ रहा है और शीत ऋतु दस्तक देती नजर आ रही है। मौसम में आए इस बदलाव के चलते अब कवर्धा सहित अंचल में सुबह सूर्योदय के पूर्व और शाम को सर्यास्त के बाद हल्की गुलाबी ठंड महसूस की जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिन ठंड और बढ़ेगी।

घर और दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मध्यप्रदेश के बालाघाट से पकड़े गए आरोपी



- जेवरात व बाइक समेत 1.74 लाख का सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम छोटूपारा में घर और किराना दुकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले मध्यप्रदेश के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण और वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल समेत कुल 1.74 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश कुसरे आयु 29, निवासी अकलपुर, थाना मलाजखंड और अमर मरकाम आयु 24, निवासी डोंगरिया, थाना बिरसा, जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। घटना 18 अक्टूबर 2026 की है।

ग्राम छोटूपारा निवासी किराना व्यवसायी रेवाराम साहू घर और दुकान में ताला लगाकर गांव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने गए थे। रात करीब 1.30 बजे लौटने पर घर के दरवाजे और अलमारियों के ताले टूटे मिले। जांच करने पर घर से नकदी और सोने-चांदी के आभूषण तथा दुकान से नकदी गायब मिली।

चोरी की गई संपत्ति की कीमत करीब 74 हजार रुपये आंकी गई। शिकायत पर सहसपुर लोहारा थाने में अपराध क्रमांक 169/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

चोरी की घटना के बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में दबिश दी गई, जहां से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सोने के नौ पत्तीदार आभूषण, चांदी का करधन और एक जोड़ी चांदी की पायल बरामद की। इनकी अनुमानित कीमत 74 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त करीब एक लाख रुपये कीमत की अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों की जानकारी भी सामने आई है। सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के दो अन्य प्रकरणों में भी उनकी संलिप्तता बताई गई है। इस कार्रवाई में थाना पुलिस और साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

त्योहारों से पहले पांडातराई में अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭पाण्डातराई

आगामी त्योहारी सीजन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पंचायत एवं तहसील प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

तहसीलदार पांडातराई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने नगर के प्रमुख मार्गों के किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया।

जेसीबी की मदद से सार्वजनिक रास्तों पर बनाए गए चबूतरे, सीढ़ियां और अस्थायी झोपड़ियों को हटाकर आवागमन के लिए रास्ता खाली कराया गया। नगर के प्रमुख मार्गों के किनारे अतिक्रमण के कारण सड़कें संकरी हो रही थीं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। त्योहारों के दौरान



बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने समय रहते अतिक्रमण हटाने की पहल की है। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को समझाइश देते हुए सार्वजनिक रास्तों पर दोबारा कब्जा नहीं करने की हिदायत दी गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से प्रमुख मार्गों पर आवागमन सुगम होने की उम्मीद है।

हालांकि, अतिक्रमण हटाने के बाद रास्तों को स्थायी रूप से कब्जामुक्त रखना भी बड़ी चुनौती होगी। यदि नियमित निगरानी नहीं की गई, तो कुछ ही दिनों में दोबारा अतिक्रमण होने की आशंका बनी रहेगी। अब देखना होगा कि नगर पंचायत और तहसील प्रशासन इस कार्रवाई को कितनी निरंतरता के साथ आगे बढ़ाते हैं।

त्योहारों के दौरान आम नागरिकों को जाम से राहत दिलाने के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक रास्तों पर दोबारा कब्जा न हो और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

ग्राम दुल्लापुर के गन्ने के खेत में लगी भीषण आग, पीड़ित किसान को भारी नुकसान



हरिभूमि न्यूज ⏭कुण्डा

कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम दुल्लापुर बाजार में गन्ने की खड़ी फसल में अचानक आग लगने से किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। किसान भारत उर्फ चटनी साहू के खेत में बीते शुक्रवार की शाम करीब 4 बजे आग लगी।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और खेत में खड़ी गन्ने की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में लाखों रुपये की फसल जलने की आशंका है। वहीं, पंडरिया की दमकल गाड़ी खराब होने के कारण समय पर अग्निशमन सहायता नहीं मिल सकी। इससे क्षेत्र की अग्निशमन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, खेत में आग लगने के बाद आग पर काबू पाने के लिए दमकल की मदद मांगी गई, लेकिन पंडरिया की दमकल गाड़ी खराब होने के कारण कवर्धा से वाहन बुलाना पड़ा। दमकल वाहन के पहुंचने तक गन्ने की फसल का बड़ा हिस्सा जल चुका था। ऐसे में समय पर अग्निशमन सुविधा उपलब्ध नहीं होने से किसान को भारी नुकसान होने की आशंका है। हालांकि अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पीड़ित किसान ने क्षतिपूर्ति की मांग की है।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रस्ताव आज

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, उनके अधिकारों के संरक्षण तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार 2026 के लिए विभिन्न संवर्गों से उत्कृष्ट प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। इस पुरस्कार के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों, दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं, सर्वोत्तम जिले तथा उत्कृष्ट नियोक्ताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों से पात्र दिव्यांग कर्मचारियों एवं संस्थाओं के प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। 25 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से समाज कल्याण विभाग, कबीरधाम को उपलब्ध कराएं।

पालकों ने कहा न नशा करेंगे, न दहेज लेंगे, न बाल विवाह करेंगे

पालकों ने लिया कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिले के शैक्षणिक परिदृश्य में एक प्रेरणादायक और सामाजिक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करने वाली खबर सामने आया है। कवर्धा ब्लॉक अंतर्गत स्थित शासकीय हाई स्कूल छिरहा ने नशामुक्ति, बाल विवाह तथा दहेज कुप्रथा जैसी समाज को घुन की तरह चाटने वाली गंभीर बुराइयों के विरुद्ध एक सशक्त एवं व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

संस्था के दूरदर्शी प्राचार्य डॉ. रमेश चन्द्रवंशी की पहल पर विद्यालय में अध्ययनरत दस विभिन्न गांवों से आए 112 पालकों को एक साथ एक मंच पर एकत्र कर इन सामाजिक कुप्रथाओं के उन्मूलन हेतु सामूहिक शपथ दिलाया गया। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य केवल विद्यार्थियों तक ही नैतिक शिक्षा को सीमित रखना नहीं था, बल्कि उनके अभिभावकों को भी इन सामाजिक व्याधियों के भयानक दुष्परिणामों से अवगत कराना था, ताकि सीधे पारिवारिक स्तर पर सकारात्मक और स्थायी बदलाव की बयार बह सके। शपथ ग्रहण के दौरान उपस्थित सभी पालकों ने अत्यंत उत्साह और सत्यनिष्ठा के साथ यह संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी किसी प्रकार का नशा नहीं करेंगे, अपने बच्चों का परिपक्व आयु से पूर्व बाल विवाह नहीं कराएंगे और न ही दहेज का लेनदेन करेंगे।

इसके साथ ही अभिभावकों ने यह भी जिम्मेदारी उठाया कि वे अपने आसपास के ग्रामीण परिवेश में भी लोगों को जागरूक करने का निरंतर प्रयास करेंगे।

कई गांवों के पालकों ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा



इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दस गाँव छिरहा, जुनवानी, नवागांव तिवारी, लिमो, मगरदा, घोठिया, झलका, बाघुटोला, दुल्लापुर एवं बिरुटोला के पालकगणों ने भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. चन्द्रवंशी ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि समाज को इन बुराइयों से मुक्त कराने में शैक्षणिक संस्थानों की भी नैतिक जिम्मेदारी होता है। यदि विद्यालय परिवार और अभिभावक एक साथ मिल जाएं तो किसी भी कुप्रथा का समूल नाश संभव है। दस गांवों के पालकों द्वारा लिए गए इस सामूहिक शपथ ने क्षेत्र में न केवल इन गंभीर मुद्दों की रोकथाम के लिए एक मजबूत सामाजिक नींव तैयार किया है, बल्कि संपूर्ण अंचल में जन-जागरूकता और नव-जागरण की एक नई लहर का संचार भी किया है।

दीपावली की तैयारी में जुटे मूर्तिकार, मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं को दे रहे अंतिम रूप

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपावली पर्व नजदीक आते ही कवर्धा सहित अंचल के मूर्तिकार मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं के निर्माण में जुट गए हैं। गणेश प्रतिमा, भगवान विश्वकर्मा और मां दुर्गा की प्रतिमाओं को आकार देने के बाद अब मूर्तिकारों का पूरा ध्यान लक्ष्मी प्रतिमाओं पर है।

पर्व को देखते हुए कार्य में तेजी लाई गई है, ताकि समय पर प्रतिमाओं को तैयार कर ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। गौरतलब है कि परंपरा के अनुसार धनतेरस के दिन कवर्धा सहित आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न समितियों द्वारा सार्वजनिक पंडाल बनाकर मां लक्ष्मी की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर घरों में भी



मां लक्ष्मी की प्रतिमाओं की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।

इसके चलते हर साल प्रतिमाओं की अच्छी मांग रहती है। पर्व की नजदीकी को देखते हुए मूर्तिकार दिन-रात प्रतिमाओं को आकार देने में लगे हुए हैं। प्रतिमाओं की बनावट, सजावट और आकर्षक स्वरूप पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सार्वजनिक समितियों के साथ घरेलू ग्राहकों की मांग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न आकारों की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। मूर्तिकारों का कहना है कि दीपावली के लिए प्रतिमा निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। हर साल की तरह इस बार भी अच्छे व्यवसाय की उम्मीद है।

पर्व के दौरान प्रतिमाओं की मांग बढ़ने से उनके कारोबार को गति मिलने की संभावना है। दीपावली उनके लिए धार्मिक आस्था के साथ आजीविका का भी महत्वपूर्ण अवसर लेकर आती है।

अनदेखी : सेन्हाभाठा-महका मार्ग में गहरा किनारा, 1.93 करोड़ का निर्माण कार्य

पीएम ग्राम सड़क में लापरवाही, साइड शोल्डर में मुरूम नहीं, हादसे की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुण्डा

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सेन्हाभाठा से महका सड़क पर निर्माण में लापरवाही राहगीरों की सुरक्षा पर भारी पड़ रही है। करीब 1 करोड़ 93 लाख रुपए की लागत से तीन किलोमीटर सड़क का नवीनीकरण किया गया, लेकिन सड़क के किनारों पर साइड शोल्डर में मुरूम नहीं डाले जाने से कई जगह किनारे 1 से 1.5 फीट तक गहरे हो गए हैं।

इससे दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बना हुआ है। वहीं, सड़क पर दो बड़े वाहन आमने-सामने आने पर साइड देने की जगह नहीं मिलती और जाम की स्थिति बन जाती है। ग्रामीणों ने ठेकेदार को नोटिस जारी कर तत्काल सुधार कराने की मांग की है। सेन्हाभाठा निवासी लक्ष्मण यादव ने बताया कि सड़क बन गई, लेकिन साइड शोल्डर में मुरूम नहीं डाला गया। किनारा गहरा होने से उनकी बाइक दो बार गड्ढे में उतर चुकी है। रात के समय यह मार्ग और अधिक खतरनाक हो जाता है।

उन्होंने आशंका जताई कि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासी सालिक दास मानिकपुरी ने बताया कि सड़क संकरी होने और किनारे गहरे होने से रोजाना परेशानी होती है। ट्रैक्टर या अन्य वाहन आमने-सामने आने पर साइड देने की जगह नहीं मिलती, जिससे जाम लग जाता है। उनका कहना है कि करीब दो करोड़ रुपए की लागत वाली सड़क पर ऐसी लापरवाही समझ से परे है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मामले में तत्काल संज्ञान लेना चाहिए।



धान कटाई के समय बढ़ेगी परेशानी

राहगीर मनोज पात्रे ने बताया कि यह मार्ग बस्ती के बीच से गुजरता है और सीधे मुंगेली-पंडरिया मार्ग को जोड़ता है। यहां यात्री वाहनों, ट्रैक्टरों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। धान कटाई के मौसम में कृषि वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ सकता है। यह सड़क छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के तहत अनुबंध क्रमांक 13 डीएल 25-26 के अंतर्गत सड़क की लागत 193.30 लाख रुपए बताई गई है। जिस पर ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण करे, जिम्मेदारी तय करे और ठेकेदार से साइड शोल्डर में मुरूम डलवाकर सड़क को सुरक्षित बनवाए।

प्रदेश में 4 हजार रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोलेगांव

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए किसानों ने धान खरीदी का भाव बढ़ाकर 4000 रूपए प्रति क्विंटल करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों, खेत की जुताई, रोपाई और अन्य कृषि कार्यों में बड़ी राशि खर्च करनी पड़ रही है। इसके बावजूद किसानों को उनकी मेहनत और लागत के अनुरूप लाभ नहीं मिल पा रहा है।



इस वर्ष धान की फसल में विभिन्न प्रकार की बीमारियां लगने के कारण किसानों को कई बार दवाइयों का छिड़काव करना पड़ा। फसल को बचाने और बेहतर उत्पादन की उम्मीद में किसानों ने अतिरिक्त खर्च किया है। ऐसे में धान की खेती किसानों के लिए दिनों दिन महंगी होती जा रही है। किसानों का कहना है कि धान की अच्छी पैदावार लेने के लिए खाद और दवाइयों का उपयोग करना जरूरी हो गया है। मौसम की अनिश्चितता और फसलों में लगने वाली बीमारियों के कारण भी आर्थिक जोखिम बढ़ गया है। खेती में इतनी मेहनत और खर्च करने के बाद यदि उचित कीमत नहीं मिलती, तो किसानों के सामने परिवार का खर्च चलाने और अगली फसल की तैयारी करने में कठिनाई होती है।

जिस पर राज्य शासन से मांग की जा रही है कि किसानों की समस्याओं और बढ़ती कृषि लागत को ध्यान में रखते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान की खरीदी 4000 रूपए प्रति क्विंटल की दर से की जाए। इससे किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सकेगा और खेती के प्रति उनका भरोसा मजबूत होगा। किसानों को उम्मीद है कि राज्य सरकार उनकी मांग पर गंभीरता से विचार करेगी और धान का उचित भाव निर्धारित कर आर्थिक राहत प्रदान करेगी।

खबर संक्षेप

ठंड का एहसास होते ही निकलने लगे गर्म कपड़े

कोलेगांव। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शारदीय नवरात्रि के समापन के बाद मौसम में बदलाव महसूस होने लगा है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का एहसास होने से लोगों ने गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं। वहीं, बदलते मौसम का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मौसमी समस्याओं से परेशान हैं। क्षेत्र में सुबह और शाम के समय ठंडक बढ़ने के साथ ही दिन और रात के तापमान में अंतर महसूस किया जा रहा है। मौसम में अचानक हो रहे बदलाव के कारण ठंड का असर बढ़ते ही लोग स्वेटर, जैकेट और अन्य गर्म कपड़ों का उपयोग करने लगे हैं। विशेषकर सुबह जल्दी घर से निकलने वाले लोगों और शाम के समय बाहर रहने वालों को ठंड का एहसास अधिक हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों कई घरों में लोग मौसमी बीमारियों से परेशान हैं। हालांकि, इन शिकायतों के पीछे किसी विशेष वायरस के प्रसार की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मौसम में बदलाव के दौरान स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतते हुए लोगों को ठंड से बचाव करने, पर्याप्त पानी पीने, साफ-सफाई बनाए रखने और बीमार होने पर आराम करने की सलाह दी जाती है। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना भी आवश्यक है। लगातार बुखार, सांस लेने में परेशानी या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। कुल मिलाकर, ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड की शुरुआत के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। ऐसे में लोगों को बदलते मौसम के अनुरूप अपनी दिनचर्या में आवश्यक बदलाव करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूक रहने की जरूरत है।

संस्कृति महिला ग्रुप का तीन दिवसीय गरबा महोत्सव संपन्न

गरबा क्वीन शिवानी गुप्ता, गरबा प्रिंसेस का खिताब निहारिका ठाकुर के नाम

- महोत्सव में 150 प्रतिभागियों ने गरबा पर बिखरे जलवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंडरिया

सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों के लिए प्रसिद्ध नगर का सबसे बड़ा 30 सदस्यीय संस्कृति महिला ग्रुप अपने नाम के अनुरूप ही संस्कार और संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य निरंतर कर रहा है। इसी कड़ी में ग्रुप द्वारा पीएम श्री आत्मानंद स्कूल मैदान पंडरिया में तीन दिवसीय भव्य ऐतिहासिक गरबा महोत्सव का सफल आयोजन किया गया।

नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित यह गरबा महोत्सव केवल एक नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, कला और नारी शक्ति के साहस व आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया। जहां कभी महिलाएं कार्यक्रम में आने से झिझकती थीं, वहीं आज स्वयं महिलाओं द्वारा इतना विशाल आयोजन करना इस बात का प्रमाण है कि पंडरिया नगर तेजी से बदल रहा है और महिलाएं सशक्त हो रही हैं। वहीं प्रथम दिवस महाकाल का दरबार-गरबा महोत्सव के भव्य शुभारंभ में महाकाल की दिव्य झांकी सजाई गई। उज्जैन के महाकाल दरबार की झलक, महाआरती, शंखनाद, डमरू की गूंज और भक्तिमय वातावरण ने दर्शकों को अध्यात्म से भर दिया। व द्वितीय दिवस छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परम्परा पर आधारित विशेष प्रस्तुतियां दी गईं। पारंपरिक वेशभूषा में माता रानी की आराधना करते हुए हुआ, जिसमें कर्मा, पंथी, राउत नाचा के गीत पर गरबा नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं।



जिसमें मुख्य अतिथि पंडरिया विधायक भावना बोहरा रहीं, जो स्वयं महिलाओं के साथ गरबा की धुन पर थिरकीं और महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। संस्कृति महिला ग्रुप ने मंच से केवल नृत्य नहीं, बल्कि सम्मान की संस्कृति भी दिखाई। कार्यक्रम की सुरक्षा हेतु तैनात महिला रक्षकों, कार्यक्रम में पधारे अतिथियों, मीडिया से आए पत्रकारों, रिपोर्टरों एवं गणमान्य अतिथियों को ग्रुप के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। समारोह में नवल किशोर पांडेय, आनंद ठाकुर, उपाध्यक्ष सुमित तिवारी सहित अनेक वक्ताओं ने संस्कृति ग्रुप की सराहना की।

वहीं तृतीय दिवस समापन समारोह के मुख्य अतिथि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ठाकुर रहे। विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र छाबड़ा, चंद्रकुमार सोनी, एल्डरमेन यशपाल छाबड़ा, भास्कर देवांगन, आकाश ठाकुर, गणेश यादव, रोमी सलूजा सहित जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

उत्साह, वेशभूषा व नृत्य कला की बिखरी छटा

बताया जाता है कि तीन दिनों तक आयोजित इस महोत्सव में निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के उत्साह, वेशभूषा और नृत्य कला के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। जिस परगरबा क्वीन शिवानी गुप्ता, गरबा प्रिंस निहारिका ठाकुर, गरबा महारानी शांति सिंह, एम्बेसडर तनीषा लहरी व राइजिंग स्टार पायल चंद्रवंशी इसके अतिरिक्त रनर अप एवं सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। विशेष बात यह रही कि सभी डेढ़ सौ प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया साथ ही साथ संस्कृति की असली मिशाल पेशकर हर प्रतिभागी बालिकाओं एवं महिलाओं के प्रयास को प्रोत्साहित किया।

कन्या भोज में 123 कन्याएं हुए शामिल

नवरात्रि की नवमी के पावन दिवस पर संस्कृति महिला ग्रुप द्वारा नगर के प्राचीन जोरा मंदिर में 108 कन्याओं के कन्या भोज का आयोजन रखा गया था, जिसमें माता रानी की कृपा से 123 कन्याएं हुए शामिल। सभी कन्याओं का विधि विधान से पूजन, तिलक, चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया और कन्या भोज कराकर उपहार भेंट किया गया। ग्रुप द्वारा सभी के लिए भोग, भंडारा एवं प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई। कन्या पूजन कर नगर की सुख-समृद्धि की कामना की गई।

दीपावली पर्व से पहले बाजार में रौनक, कारोबार बढ़ने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

दीपावली का त्यौहार नजदीक आते ही जिला मुख्यालय के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। मुख्य मार्गों पर स्थित दुकानों में त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कपड़े, सराफा, बर्तन और ऑटो सेक्टर के कारोबारियों को इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद है। नवरात्रि के दौरान बाजार में रही चहल-पहल के बाद अब व्यापारियों की निगाहें दीपावली की खरीदारी पर टिकी हैं। त्यौहार को देखते हुए दुकानदारों ने जरूरत के सामान का स्टॉक बढ़ाना शुरू कर दिया है, ताकि ग्राहकों को खरीदारी के दौरान परेशानी न हो।

दीपावली से पहले बाजार में खरीददारी का दौर तेज होने की उम्मीद है। कई लोग अंतिम दिनों की भीड़ से बचने के लिए पहले ही सामान खरीदने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, व्यापारी भी ग्राहकों की मांग को देखते हुए दुकानों में विभिन्न प्रकार के उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। कपड़ों और घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर सजावट के सामान तक की दुकानें त्योहार के लिए तैयार हो रही हैं।

किराना दुकानों में भी दीपावली पर मिठाइयां, पकवान और पूजा सामग्री बनाने के लिए जरूरी सामान की मांग बढ़ने की संभावना है। झालर और सजावटी सामानों की बढ़ी तैयारी दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों को सजाने की परंपरा के चलते सजावटी सामानों की दुकानों पर भी रौनक रहने की उम्मीद है। रंग-बिरंगी झालर, फूलों की मालाएं और अन्य सजावटी वस्तुओं की बिक्री के लिए दुकानदार तैयारियां कर रहे हैं। त्यौहार के दौरान लोग घरों की साफ-सफाई के बाद आकर्षक रोशनी और सजावट के जरिए घरों को नया रूप देते हैं। इससे इन सामानों के कारोबार को भी गति मिलने की संभावना है। कुल मिलाकर, दीपावली व्यापारियों के लिए साल के प्रमुख कारोबारी अवसरों में से एक है। अब बाजार की वास्तविक रौनक ग्राहकों की खरीददारी और बिक्री के आंकड़ों से सामने आएगी। व्यापारियों को उम्मीद है कि त्यौहार के दिनों में बढ़ने वाली मांग से स्थानीय कारोबार को मजबूती मिलेगी।



सराफा और बर्तन बाजार पर रहेगी नजर

दीपावली के दौरान सराफा बाजार में सोने-चांदी के आभूषणों की खरीददारी का विशेष महत्व रहता है। धनतेरस और दीपावली पर शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने की परंपरा के कारण ग्राहक गहनों की खरीद के लिए दुकानों का रुख करते हैं। इसी तरह बर्तन बाजार में कांसे, पीतल और रसोई में उपयोग होने वाले दूसरे सामानों की मांग रहती है। व्यापारी इन श्रेणियों में भी बेहतर कारोबार की उम्मीद लगाए हुए हैं।

कपड़ों से लेकर वाहनों तक खरीददारी की उम्मीद

दीपावली पर नए कपड़े पहनने की परंपरा के चलते परिवार के सदस्यों के लिए कपड़ों की खरीददारी की जाती है। इससे रेडीमेड और कपड़ा कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना है। वहीं ऑटो सेक्टर में भी दीपावली के अवसर पर नए वाहन खरीदने को लेकर उत्साह देखा जाता है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ ट्रैक्टर तथा अन्य व्यावसायिक वाहनों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराएः कलेक्टर

कवर्धा। जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जीरामजी योजना के द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराये। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय पर कार्य पूरा करे एवं मजदूरी भुगतान में विलंब न हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति द्वारा सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारियों को दिए गए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाएं सभी पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे यह सुनिश्चित करें। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने, कार्य की गुणवत्ता सही नहीं होने पर एवं अनियमितता की शिकायत पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। श्रम मूलक कार्यों की स्वीकृतिआजीविका डबरी, तालाब एवं डबरी गहरीकरण, सैण्ड फिल्टर बोरवेल रिचार्ज पीट सहित अन्य कार्यों की कार्यवार समीक्षा की गई।

भुवालपुर में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि पर्व

- रंगोली प्रतियोगिता में श्रद्धा गबेल ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोलेगांव

भुवालपुर में शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। नौ दिनों तक समस्त ग्रामवासी एकजुट होकर मां दुर्गा की सेवा और आराधना में जुटे रहे। जसगीतों की गूंज से पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। नवरात्रि के अंतिम दिन मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर भंडारे और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें गांव के 42 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का निरीक्षण समिति द्वारा चयनित निर्णायक मंडल के सदस्य होरीलाल गबेल, हेमंत गबेल और नरेंद्र गबेल ने किया। स्पर्धा में श्रद्धा गबेल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर रंगोली बनाकर बेटियों के देशप्रेम, राष्ट्र रक्षा, बहादुरी और शौर्य को प्रदर्शित किया। साथ ही द्वितीय स्थान पर दिशा गबेल, प्रिया गबेल और कामिनी गबेल रहीं। इनमें दिशा गबेल ने अपनी रंगोली के माध्यम से स्वच्छ भारत, जल संरक्षण, वृक्षों की रक्षा और कचरे को डस्टबिन में डालने जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश दिए। तृतीय स्थान पर रूबी, डालिमा और हेमा रहीं। वहीं चतुर्थ स्थान तुस्यांका और पम्मी ने प्राप्त किया, जबकि पांचवें स्थान पर गनेसिया रहीं। सभी प्रतिभागियों को ग्राम के पूर्व सरपंच मारखंडे गबेल की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। ग्राम सरपंच धनसिंग गबेल, उपसरपंच बसंत गबेल तथा अन्य ग्रामीणों के हाथों बच्चों को सम्मानित किया गया।

दशहरा के बाद नाऊडीह व क्षेत्र में धान फसल कटाई ने पकड़ी रफ्तार

किसानों के लिए हार्वेस्टर मशीन वरदान



हरिभूमि न्यूज ⏭ बरबसपुर

जिले को कृषि प्रधान जिले के नाम से जाना जाता है। कबीरधाम जिले के ग्राम नाऊडीह में हाइब्रिड धान की फसल की कटाई ने रफ्तार पकड़ ली है। खेतों में जल्दी पकने वाली धान की किस्में तैयार होने के साथ किसान कटाई में जुट गए हैं। ग्राम नाऊडीह के दर्जनों किसानों ने हार्वेस्टर की मदद से अपनी परिपक्व हुई धान की फसल की कटाई शुरू कर दिया है।

किसानों ने बताया कि एक एकड़ फसल को हार्वेस्टर से कटवाने के लिए 35 सौ रुपए देना पड़ता है, जिससे बहुत जल्द फसल समेटने में सहायता होती है और समय की बचत होती है। इस साल मानसून के दौरान अल्प और खंड वर्षा की स्थिति को देखते हुए कई किसानों ने जल्दी पकने वाली किस्मों की बोनी की थी, ताकि कम समय में फसल तैयार कर उसे सुरक्षित किया जा सके। बताया जाता है कि दीपावली तक जिले में 30 से 35 प्रतिशत धान की कटाई पूरी होने की संभावना है

हाइब्रिड धान और महामाया धान की कटाई शुरू

यहां बताना लाजिमी होगा कि क्षेत्र के किसानों द्वारा जल्दी पकने वाली किस्मों को प्राथमिकता दी है। हाइब्रिड धान और महामाया धान करीब 110 और 90 दिन में तैयार होने वाली फसल की कटाई शुरू हो गई है। किसानों की कोशिश है कि फसल तैयार होते ही कटाई कर ली जाए, ताकि मौसम में बदलाव की स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। इसलिए कृषि के क्षेत्र में चमत्कार आ गई है।

दीपावली पर्व के बाद और तेज होगा कृषि कामकाज

फिलहाल जिन खेतों में फसल पक चुकी है, वहां कटाई का सिलसिला जारी है। नवंबर में कटाई का काम और तेज होने की संभावना है। आने वाले दिनों में कटाई का दायरा कितना बढ़ता है, यह फसल पकने की स्थिति और मौसम पर निर्भर करता है।



पटाखों पर भी महंगाई की मार, 10 से 15 फीसदी तक दाम में बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

बेमेतरा जिले में 10 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार का अनुमान, नए आइटम भी बाजार में

दीपावली की रौनक बढ़ाने वाले पटाखे इस बार महंगे हो गए हैं। कारोबारियों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में पटाखों के दाम में 10 से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद त्योहार को लेकर कारोबारियों को अच्छी बिक्री की उम्मीद है। जिले में इस बार पटाखों का कारोबार 10 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल बाजार में बिक्री की रफ्तार धीमी है, लेकिन आने वाले सप्ताह में अस्थायी पटाखा बाजार सजने के साथ कारोबार में तेजी आने की संभावना है। जिले में पटाखों की आपूर्ति मुख्य रूप से शिवकाशी से होती है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर भी पटाखों का निर्माण किया जाता है। शहर से लेकर गांवों तक पटाखों की मांग रहती है। दीपावली के दौरान ऑटोमोबाइल, सराफा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और बर्तनों के बाजार के साथ पटाखों का कारोबार भी त्योहार की रौनक बढ़ाता है। इस बार बाजार में कुछ नए आइटम भी आए हैं, जिनमें बच्चों के लिए आकर्षक पटाखों से लेकर आसमान में रोशनी बिखेरने वाले स्काई शॉट तक शामिल हैं।

नए आइटम की कीमत 200 से 3,000 रुपये तक

इस बार बाजार में कई नए पटाखे भी उपलब्ध हैं। बच्चों के बीच मैरी गो राउंड स्पार्क आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी शुरुआती कीमत करीब 300 रुपये बताई जा रही है। वहीं, थंडर फ्लैश कॉक बांड के 10 पीस वाले बॉक्स की कीमत करीब 250 रुपये है। हैंड स्काई शॉट हाथ में पकड़कर चलाया जाने वाला पटाखा है, जो आसमान में जाकर रोशनी बिखेरता है। इसकी कीमत आकार और प्रकार के अनुसार 800 से 3,000 रुपये तक बताई जा रही है। इसके अलावा गोल्ड आइसक्रीम फाउंटेन भी बाजार में उपलब्ध है। आइसक्रीम के आकार वाले इस फाउंटेन पटाखे की कीमत करीब 200 से 300 रुपये है।



स्काई शॉट की कीमत 20 हजार रुपये तक : महंगे पटाखों में स्काई शॉट शामिल है। इसकी कीमत करीब 5,000 रुपये से शुरू होकर 20,000 रुपये तक बताई जा रही है। प्रकार के अनुसार यह 15 मिनट से लेकर 60 मिनट तक चलने वाला पटाखा है। इसकी कीमत और अवधि अलग-अलग उत्पादों के हिसाब से तय होती है। त्योहार के करीब आने के साथ पटाखा बाजार में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने और बिक्री में तेजी आने की उम्मीद कारोबारियों को है।

अनार से लेकर लड़ी तक के दाम बढ़े

कारोबारियों के मुताबिक, इस बार छोटे-बड़े सभी तरह के पटाखों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल 90 रुपये में मिलने वाला अनार अब करीब 100 रुपये का हो गया है। इसी तरह 200 रुपये वाला बम का पैकेट बढ़कर 230 रुपये का हो गया है। पांच सौ पटाखों वाली लड़ी की कीमत पहले करीब 230 रुपये थी, जो अब बढ़कर 250 रुपये हो गई है। लड़ियों की कीमत उनकी संख्या, गुणवत्ता और कंपनी के अनुसार अलग-अलग है। कारोबारियों के अनुसार, एक हजार वाली लड़ी 500 से 600 रुपये, दो हजार वाली लड़ी 1,200 से 1,500 रुपये, पांच हजार वाली लड़ी 3,000 से 4,000 रुपये और दस हजार वाली लड़ी 6,000 से 8,000 रुपये तक में मिल रही है।

छोटे-बड़े कारोबारियों को बिक्री बढ़ने की उम्मीद : पटाखों का कारोबार जिले में गांवों से लेकर शहरों तक फैला है। बड़ी दुकानों से लेकर छोटी दुकानों तक दीपावली के दौरान अच्छी बिक्री होती है। कारोबार से जुड़े जानकारों के अनुसार, बड़ी दुकानों में त्योहार के दौरान 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक की बिक्री हो सकती है, जबकि छोटी दुकानों में 10 से 20 लाख रुपये तक का कारोबार होने का अनुमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे कारोबारी पटाखों की बिक्री से 10 हजार से 50 हजार रुपये तक का कारोबार कर लेते हैं। हालांकि, पटाखों की बिक्री के लिए निर्धारित लाइसेंस और सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन जरूरी है। इसके बावजूद कुछ स्थानों पर बिना लाइसेंस बिक्री होने की बात सामने आती रही है। ऐसे में त्योहार के दौरान अस्थायी बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन पर भी नजर रखना जरूरी होगा।

खबर संक्षेप

आज शहर में निकलेगी आरक्षण बचाओ रैली



राजनांदगांव। शहर के ईमाम चौक फ्लाई ओवर के नीचे जेन-जी युवा वर्ग द्वारा नौकरियों में आउटसोर्सिंग का विरोध किया जा रहा है। यहां आरक्षण नियमों का पालन नहीं होने के मामले को लेकर संवैधानिक आरक्षण बचाओ रैली का आयोजन 25 अक्टूबर को किया जाएगा। आयोजनकर्ताओं द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करते जानकारी दी गई। आरक्षण बचाओ रैली को लेकर जेन-जी युवा वर्ग छत्तीसगढ़ के प्रदेश संयोजक एडवोकेट नरेंद्र कुमार ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ का जेन-जी युवा वर्ग द्वारा धरना प्रदर्शन रैली निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि आज भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व, शिक्षा, रोजगार एवं आजीविका से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय लंबित हैं। इन मुद्दों के समाधान एवं संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हेतु यह आयोजन किया जा रहा है । यह रैली संविधान, सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व, शिक्षा, रोजगार, युवा अधिकारों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए समर्पित है।

आंदोलन की विभिन्न मांगे

जनसंख्या के अनुरूप सामाजिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु आरक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाने ओबीसी वर्ग 27 प्रतिशत एवं एससी वर्ग 13 प्रतिशत लंबित आरक्षण लागू किया जाए। वहीं आउटसोर्सिंग, संविदा एवं वैकडोर भर्ती के माध्यम से राज्य में आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने पर रोक लगाई जाए।

निधन

पदमा तिवारी



नवागढ़। भैंसामुड़ा निवासी पदमा तिवारी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी। वे विनोद तिवारी की माता थीं। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।

राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों सहित 20 सेवानिवृत्त शिक्षकों को मिला सम्मान

छात्र प्रतिभा, शैक्षणिक सेवा व प्रतिभावान विद्यार्थियों और शिक्षकों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ साजा/बेमेतरा



बेमेतरा जिले के साजा विकासखंड अंतर्गत ग्राम डोंगीतराई स्थित कृषि उपज मंडी में छात्र प्रतिभा एवं शैक्षणिक सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद शिक्षण समिति, ब्लॉक साजा के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों, उत्कृष्ट शिक्षकों, संकुल शैक्षणिक समन्वयकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम में शिक्षा, साहित्य और पत्रकारिता जगत से जुड़े अतिथियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कार्यक्रम में सुभाष मिश्रा, मृगेंद्र पांडे, प्रसिद्ध कवि मीर अली मीर तथा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन में सहयोग देने वाले दानदाताओं एवं प्रतिष्ठित व्यवसायियों जितेंद्र जैन, पंकज राठी, महेंद्र राठी, दीपक जायसवाल, मुकेश जैन, पीयूष गांधी, रमेश राठी, शांति लाल चांडक, सतीश सोनी, धरम जैन और पवन साहू की भी सहभागिता रही। समारोह में सम्मानित प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस दौरान शिक्षक भुजगेन्द्र वैष्णव ने आगामी वर्षों में 11 हजार रुपये दान देने की घोषणा की।

44 संकुल समन्वयक और 20 सेवानिवृत्त शिक्षकों का अभिनंदन

समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों के साथ 44 संकुल शैक्षणिक समन्वयकों (सीएसी) तथा 20 सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों, शैक्षणिक समन्वयकों और लंबे समय तक सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों के योगदान को रेखांकित किया गया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने और शिक्षकों के कार्यों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक समिति, ब्लॉक साजा के पदाधिकारियों के प्रयासों से शिक्षा विभाग, संकुल समन्वयकों, बीआरसीसी, बीईओ तथा समुदाय के सहयोग और समन्वय से किया गया। आयोजन में पवन साहू, बसंत कौशिक, सुनील राजपूत, रोहित सेंगर, अशोक धुर्वे, अजय यादव, लोमन सिंह, तारण दास मानिकपुरी, नरेश बघेल, योगेश साहू, घनश्याम साहू, चुरावन बघेल, नरेंद्र साहू, मोहित चंद्राकर, जय बहादुर, ईश्वर साहू, धनेश रजक, कविता वर्मा, नीलिमा कन्नौजे, चुनेश्वरी कौशल, विष्णु धीवर, ऊषाकिरण जायसवाल, लीलावती सिन्हा, मोगरा साहू, लेखा रजक, बेला ध्रुव और हिमकल्याणी सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारियों की सहभागिता रही। मंच संचालन सोमलता साहू एवं कमल शर्मा ने किया।

विद्यार्थियों और राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

समारोह में कक्षा 12वीं की परीक्षा में वर्ष 2026 में विभिन्न संकायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इनमें गणित, विज्ञान, कला, कृषि एवं वाणिज्य संकाय के प्रतिभावान विद्यार्थी शामिल रहे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार लखन कुमार, यामिनी सेन, होमेश साहू, गौरी पटेल और निखिल को सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आदित्य मार्कंडेय तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अतुल साहू का भी सम्मान किया गया। खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाली झरना साहू और ममता साहू को भी सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। विद्यार्थियों की सफलता को प्रोत्साहित करने के साथ ही समारोह में शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना से 76 लोगों को मिला निःशुल्क उपचार



हरिभूमि न्यूज ⏭ थान खम्हरिया

नगर में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना के अंतर्गत नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों एवं स्लम बस्तियों में पहुंचकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में थान खम्हरिया में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से कुल 76 मरीजों का उपचार किया गया तथा 17 जांचें की गईं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए लोगों को उनके घरों के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से छोटी-मोटी बीमारियों के उपचार के लिए अस्पताल जाने की परेशानी कम हो रही है। मेडिकल यूनिट में 41 प्रकार की रक्त जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है। शिविरों के माध्यम से मरीजों को समय पर उपचार और निःशुल्क दवाइयां दी जाती हैं, जिससे बीमारियों की पहचान और उनके नियंत्रण में सहायता मिल रही है। योजना का उद्देश्य जरूरतमंद नागरिकों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और उन्हें सुलभ उपचार उपलब्ध कराना है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के वार्डों में पहुंचने से लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

- मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से वार्डों में पहुंचकर की जा रही स्वास्थ्य जांच, मरीजों को मिल रहीं निःशुल्क दवाइयां

मोबाइल मेडिकल यूनिट का स्टाफ

थान खम्हरिया में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट में डॉक्टर प्रमोद, फार्मासिस्ट भुवन साहू, नर्स चन्द्रकिरण निषाद, लैब टेक्नीशियन मिथुन खरे तथा वाहन चालक राहुल नेताम अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कमजोरी छुपाने घुमका सोसायटी में तालाबंदी!

वेतन नहीं मिलने पर समिति में लगा ताला

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

सेवा सहकारी समिति घुमका में तालाबंदी को लेकर चल रहे विवाद के पीछे अब गंभीर प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ किसानों को संकट में डालने की रणनीति सामने आई है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा जोरों पर है कि समिति कर्मचारी अपनी कमजोरियों और गलतियों पर पर्दा डालने के लिए तालाबंदी का सहारा ले रहे हैं। जबकि असल समस्या आंतरिक वित्तीय संकट और संभावित जांच का खौफ है।

इस पूरे मामले का एक बड़ा पहलू कर्मचारियों के भविष्य निधि से जुड़ा हुआ है। वर्ष 2016-17 के दौरान सोसायटी कर्मचारियों के पीएफ की राशि केंद्रीय बैंक घुमका के तत्कालीन शाखा प्रबंधक द्वारा रोक दी गई थी। इसके बाद जब कुछ कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए और उन्हें पीएफ का भुगतान नहीं हो सका, तो पीएफ विभाग ने सख्त रूख अपनाते हुए करीब एक वर्ष पूर्व सोसायटी के बचत खाते को ही होल्ड कर दिया। खाता बंद होने के कारण समिति के पास कर्मचारियों को वेतन बांटने तक का पैसा नहीं बचा है। वित्तीय संकट को और अधिक गहरा करने में धान खरीदी के दौरान होने वाली कथित गड़बड़ियां भी मुख्य वजह बनी हुई है। विगत छह-सात वर्षों से समिति में धान खरीदी के दौरान भारी शार्टेज की समस्या लगातार बनी हुई है। जिसके चलते समिति को मिलने वाला कमीशन रूका हुआ है। आरोप है कि हर साल फर्जी रकबे की आड़ में बिना धान की वास्तविक आवक के ही कागजों पर फर्जी खरीदी दर्शाकर राशि आहरित करने का खेल खेला जाता रहा। परिवहन के समय धान की मात्रा कम पड़ना तय रहता है। जिससे हर बार भारी शार्टेज दर्ज होती है और समिति को कमीशन से हाथ धोना पड़ता है। लंबे समय से कमीशन न मिलने और बचत खाता सीज होने से समिति के पास आर्थिक संसाधन पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। अब जब हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं और फर्जीवाड़े की जांच व उच्च स्तरीय कार्रवाई की तलवार लटक रही है, तब जिम्मेदार कर्मचारी कार्रवाई के डर से ऐन वक्त पर

सुपरवाइजर का ट्रांसफर, काम बंद कर धरने पर बैठी स्वच्छता दीदियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव



शहर के लखोली एसएलआरएम सेंटर सुपरवाइजर का ट्रांसफर किए जाने के मामले को लेकर स्वच्छता दीदियों ने अपने सेंटर में बैठकर धरना प्रदर्शन किया और हड़ताल करते हुए काम बंद रखा।

लखोली की सेंटर सुपरवाइजर को बिना किसी वजह के इंदिरा नगर सेंटर में ट्रांसफर किए गाने को लेकर स्वच्छता दीदियों ने नाराजगी जाहिर करते कचरा संग्रहण केंद्र में हड़ताल कर दिया। स्वच्छता दीदी अपने केंद्र में ही धरने पर बैठ गई। इस दौरान उन्होंने सेन्टर सुपरवाइजर को वापस लखोली केंद्र में भेजने को लेकर मांग की। सेंटर सुपरवाइजर सीमा मेश्राम ने बताया कि उनका त्रुटिपूर्ण ट्रांसफर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सनसिटी क्षेत्र से एक शिकायत मिली थी। जिसके बाद उनका ट्रांसफर लखोली सेन्टर से इंदिरा नगर कर दिया गया। जबकि सनसिटी का क्षेत्र भरकापारा सेन्टर में आता है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा अगस्त माह में उनका ट्रांसफर किया गया था, जब उन्होंने अपने ट्रांसफर की वजह जाननी चाही तो कहा गया कि सनसिटी से कंप्लेंट मिली है। सेंटर सुपरवाइजर का कहना है कि उनका कार्य क्षेत्र सनसिटी आता ही नहीं है, लेकिन फिर भी ट्रांसफर किया गया और अधिकारियों ने कहा कि त्रुटिवश ट्रांसफर हो गया कहा है। वहीं कुछ दिन बाद लखोली सेंटर वापस भेज देंगे भी कहा था, लेकिन 2 दिन पहले उनका ट्रांसफर भरकापारा सेन्टर में कर दिया गया है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

लखोली कचरा संग्रहण केन्द्र में स्वच्छता दीदियों ने हड़ताल करते यहां की सेन्टर सुपरवाइजर सीमा मेश्राम को वापस लखोली सेन्टर भेजने को लेकर नारेबाजी की और मांग पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल करने चेतावनी दी।

शरद पूर्णिमा पर्व पर आज पूजा-अर्चना के साथ बंटेगी खीर, सभी मंदिरों में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शरद पूर्णिमा का पर्व कल रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर के मंदिरों सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों में व्यापक तैयारियां की गई है। इस अवसर पर पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और खीर वितरण सहित विभिन्न आयोजन होंगे। शहर से लेकर गांवों और मोहल्लों तक शरद पूर्णिमा को लेकर लोगों में उत्साह है। सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के साथ ही स्थानीय समितियों ने भी पर्व की तैयारियां की है।

शरद पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत की वर्षा होती है। इसी विश्वास के चलते शरद पूर्णिमा की रात खुले आसमान के नीचे खीर रखने की परंपरा प्रचलित है। श्रद्धालु रात में खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं और दूसरे दिन प्रसाद के रूप में ग्रहण करते तथा वितरित करते हैं। इसे सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली से जोड़कर देखा जाता है।

मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों में रखी खीर का विशेष महत्व होता है। इसी परंपरा के तहत मंदिरों और घरों में खीर तैयार कर चंद्रमा की रोशनी में रखी जाएगी। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना करेंगे। शरद पूर्णिमा को लेकर शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तैयारियां की गई है।

पाताल भैरवी मंदिर में विशेष आयोजन

शहर के मां पाताल भैरवी मंदिर परिसर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर विशेष तैयारियां की गई है। यहां 26 अक्टूबर को अलसुबह जड़ी-बूटी युक्त खीर का वितरण किया जाएगा। मंदिर परिसर में वर्षों से शरद पूर्णिमा पर खीर वितरण की परंपरा निभाई जा रही है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस बार भी आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही है।

पेज 7 के शेष

उचित मूल्य दुकान में...

को दिए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव और एसडीओपी भुषण एक्का के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, विवेचना के दौरान मनीष साहू (18), पुष्पा साहू (60) और नीरा बाई (33), निवासी ग्राम एरमसाही एवं नगर पंचायत मारो क्षेत्र, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार करने की बात कही है। तीनों को 24 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक लेखराम ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक मोहन साहू, प्रधान आरक्षक संजय भगत, आरक्षक मुकेश माहिरे, मिथुन चंद्रवंशी, प्रताप सिंह यादव, महिला आरक्षक रामबती नेताम सहित अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका रही।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर युवा...

निर्धारित समय के पालन के आधार पर किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों की बेहतर समझ विकसित करने के साथ अपने विचार तार्किक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

माय भारत पोर्टल पर पंजीयन : विकसित भारत युवा संसद 2027 में भाग लेने के इच्छुक पात्र युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। जिला स्तर पर चयनित तीन प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगे। आयोजकों ने जिले के युवाओं से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

दीपावली में खपाने ले...

संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई। जांच में 750 पौवा देशी मसाला एवं अंग्रेजी शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कीमत करीब 76 हजार रुपये और कार की कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई है।

दो गिरफ्तार, आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई : गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीलकुमार निषाद (25) और दुर्गेश ध्रुव (25), दोनों निवासी ग्राम मुटपुरी, जिला बेमेतरा के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। कार्रवाई में एसडीओपी बेरला रुचि वर्मा, कंडरका चौकी प्रभारी उप निरीक्षक डीएल सोना, प्रशिक्षु उप निरीक्षक गीतांजलि, सहायक उप निरीक्षक संतोष धुर्वे, प्रधान आरक्षक दिनेश मंडावी तथा आरक्षक योगेश साहू, मुरली सोनी, चंद्रभूषण मार्कंडे और डागेश्वर वर्मा सहित चौकी के पुलिस स्टाफ की भूमिका रही।

